Հարգելի մասնակից

«ԳԱԿ-ՇՀԾՁԲ-11/3» ծածկագրով ընթացակարգի շրջանակներում ՀՀ վերահսկիչ պալատի կարիքների համար անհրաժեշտություն է առաջացել ձեռք բերելու «Գնումների աջակցման կենտրոն» ՊՈԱԿ-ի և նշված ծածկագրով շրջանակային համաձայնագրերով իրականացվող գնումների ցանկում ներառված կազմակերպությունների միջև կնքված շրջանակային համաձայնագրերով նախատեսված ծառայություններ:

Սույն հրավերի (ծանուցման) ծածկագիրն է ՎՊ ՇՀԱՊՁԲ-11/3 և այն բաղկացած է 3 չափաբաժիններից:

Ձեռքբերվելիք ծառայությունը վերաբերում է ՀՀ վերահսկիչ պալատի «Նիսսան» մակնիշի «Ալտիմա», «XԹրայիլ » և «Սենտրա» ավտոմեքենաների սպասարկմանը:

Մատուցվելիք անհրաժեշտ ծառայությունների և համապատասխ ավտոմասերի ամբողջական անվանացանկը, մասնագիրը (հավելված 1) կդառնա կնքվելիք պայմանագրի անբաժանելի մասը: Գները անհրաժեշտ է ներկայացնել ըստ տողերի և վերջում` ընդամենը:

Ընդ որում, մասնակիցներից առաջին տեղ կզբաղեցնի ոչ միայն ընդհանրացված նվազագույն գին ներկայացնողը, այլև հաշվի է առնվելու նաև պարբերաբար և առավել հավանական սպասարկումների` (**ընդգծված տողերի`** **թիվ58,59,67,68,69,182,184,200,201,218,219,220 կամ շարժիչին(1) առնչվող թիվ 19,33,34,35,36,37,42,53,74,213,215,216,217,218,219,220,221,225,226,227 համարների)** կապակցությամբ առաջարկված նվազագույն գները:

Հայտնում ենք, որ գնվելիք ծառայությունների վերաբերյալ համապատասխան հայտը անհրաժեշտ է ներկայացնել [www.armeps.am](http://www.armeps.am) կայքի (այսուհետ` կայք) միջոցով ոչ ուշ, քան 2015թ. մարտի 9-ը, ժամը 12-ը: Հայտերը կբացվեն 2015թ. մարտի 9-ին, ժամը12 00 ին:

Մասնակիցները հայտով ներկայացնում են իրենց կողմից հաստատված`

ա. գնման ընթացակարգին մասնակցելու դիմում (Հավելված 2), որում պետք է նշել էլեկտրոնային փոստի հասցեն և հեռախոսի համարները:

բ. գնային առաջարկ (Հավելված 3): Մասնակցի գնային առաջարկը ներկայացվում է արժեք և ավելացված արժեքի հարկ ընդհանրական բաղադրիչներից բաղկացած հաշվարկի ձևով:

Հայտն անհրաժեշտ է ներկայացնել «ԳԱԿ-ՇՀԾՁԲ-11/3» ծածկագրով ընթացակարգի հրավերով սահմանված կարգով: Հայտի ներկայացումը պարտադիր չէ:

Կից ներկայացնում ենք նաև կնքվելիք պայմանագրի նախագիծը (հավելված 4):

Ընթացակարգի հանձնաժողովի քարտուղարն է` Աշխատակազմի մասնագետ Հ. Հակոբջանյանը (հեռ.588-238, էլեկտրոնայինփոստի հասցեն vpalat2@gmail.com):

Ա. Ներսիսյան

Հավելված-1

ՎՊ- ՇՀԾՁԲ-11/3 ծածկագրով ընթացակարգի

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | | | |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Ð/Ð | Սպասարկումների, ավտոմասերի ամբողջական ցանկը, ավտոմեքենաների մակնիշներն ու չափաբաժինները | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | <Նիսսան Ալտիմա> `**1.** | | | | | | | | | | | | | | | | <Նիսսան XԹրայիլ> `**2**. | | | | | | | | | | | | | | <Նիսսան Սենտրա> `**3.** | | | | | | |
| 1 | 2 | 1 | | | | | | 2 | | | | | | 3=1+2 | | | | 1 | | | | | | | 2 | 3=1+2 | | | | | | 1 | | 2 | | | 3=1+2 | |
|  | ***Անվանումը*** | Արժեք\* | | | | | | ԱՀՀ\*\* | | | | | | Գինը | | | | Արժեք\* | | | | | | | ԱՀՀ\*\* | Գինը | | | | | | Արժեք\* | | ԱՀՀ\*\* | | | Գինը | |
| 1 | ´éÝÏÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 2 | ê³é»óÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 3 | ÚáõÕÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 4 | ²ñï³óÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 5 | Îóáñ¹Ù³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 6 | öî-Ç ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 7 | ²öî-Ç ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 8 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÷áË³ÝóÙ³Ý  ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 9 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç ³ßË³ï³ÝùÇ  ïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 10 | ²éç¨Ç ¨ Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç³ÏÝ»ñÇ  ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 11 | ²éç¨Ç ¨ Ñ»ï¨Ç Ï³ËáóÝ»ñÇ  ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 12 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç  ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 13 | ABS Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 14 | ¾É»Ïïñ³Ï³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç  ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 15 | Ô»Ï³í³ñÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç  ³ßË³ï³ÝùÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 16 | Â³÷ùÇ íÇ×³ÏÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 17 | î³ñµ»ñ ³·ñ»·³ïÝ»ñÇ ÛáõÕ»ñÇ  áñ³ÏÇ ¨ Ù³Ï³ñ¹³ÏÝ»ñÇ ëïáõ·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
|  |  |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 18 | Þ³ñÅÇãÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 19 | ÜáõÛÝÁ DOHC (2 µ³ßËÇã ÉÇë»é)  ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 20 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 21 | ÜáõÛÝÁ ²öî-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 22 | Þ³ñÅÇãÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 23 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 24 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 25 | Þ³ñÅÇãÇ µ³ñÓÇÏÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 26 | ´/ÉÇë»éÇ Ï³÷³ñÇãÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 27 | ÜáõÛÝÁ ³çÇ Ñ³Ù³ñ (V6) |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 28 | ÜáõÛÝÁ Ó³ËÇ Ñ³Ù³ñ (V6) |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 29 | Þ³ñÅÇãÇ µÉáÏÇ ·ÉËÇÏÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 30 | ÜáõÛÝÁ ³çÇ Ñ³Ù³ñ (V6) |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 31 | ÜáõÛÝÁ Ó³ËÇ Ñ³Ù³ñ (V6) |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 32 | Þ³ñÅÇãÇ ·ÉËÇÏÇ ÙÇç³¹ÇñÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 33 | Þ³ñÅÇãÇ ·ÉËÇÏÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 34 | ö³Ï³ÝÇ ËóáõÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 35 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 36 | ´³ßËÇã ÉÇë»éÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 37 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç Ó³ËÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 38 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ³çÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 39 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 40 | ´³ßËÇã ÉÇë»éÇ ËóáõÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 41 | ÐñÇãÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ SOHC |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 42 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 43 | ²ï³ÙÝ³íáñ ÷áÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 44 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 45 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 46 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»éÇ ³éç¨Ç ËóáõÏÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 47 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 48 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 49 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 50 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 51 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 52 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»éÇ Ñ»ï¨Ç ËóáõÏÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 53 | ÜáõÛÝÁ ²öî-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 54 | ØËáó³ÛÇÝ ûÕ³ÏÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 55 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 56 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 57 | Â³÷³ÝÇíÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
|  | **2.Ô»Ï³í³ñÙ³Ý, ëÝÙ³Ý ¨**  **ÛáõÕÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 58 | ÚáõÕÇ ¨ ÛáõÕÇ ½ïÇãÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 59 | ÚáõÕÇ åáÙåÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 60 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 61 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 62 | Ô»Ï³í³ñÙ³Ý µÉáÏÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 63 | ´éÝÏÙ³Ý Ï³ñ·³íáñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 64 | CO Ï³ñ·³íáñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 65 | Ë³ñÝ³ñ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 66 | Ê³ñÝ³ñ³ÏÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 67 | ú¹Ç ½ïÇãÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 68 | ÆÝÅ»ÏïáñÇ ýáñëáõÝÏ³Ý»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 69 | ÆÝÅ»ÏïáñÇ ýáñëáõÝÏ³Ý»ñÇ Ù³ùñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 70 | ´»Ý½³ÙÕÇãÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 71 | ì³é»ÉÇùÇ ½ïÇãÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 72 | ì³é»ÉÇùÇ µ³ùÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 73 | îñ³ÙÉÛáñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 74 | îñ³ÙÉÛáñÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
|  | **3. ê³é»óÙ³Ý ¨ ³ñï³ÍÙ³Ý**  **Ñ³Ù³Ï³ñ·** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 75 | ÐáíÑ³ñÇ ÷áÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 76 | ÐáíÑ³ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 77 | è³¹Ç³ïáñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 78 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |  | |  | | |  | |
| 79 | ÜáõÛÝÁ ²öî-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 80 | è³¹Ç³ïáñÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 81 | Â»ñÙáëï³ïÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 82 | æñÇ åáÙåÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 83 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¨ V-6 ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 84 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 85 | æñÇ åáÙåÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 86 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 87 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 88 | ÀÝ¹³ñÓ³ÏáÕ µ³ùÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 89 | ÊÉ³ñ³ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 90 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 91 | è³¹Ç³ïáñÇ ÷áÕñ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **4. Îóáñ¹áõÙ, öî ¨ ²öî** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 92 | ´³Ýí. Ï³Ù ·ÉË. ·É³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 93 | ´³Ýí. Ï³Ù ·ÉË. ·É³ÝÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 94 | Îóáñ¹Ù³Ý ëÏ³í³é³ÏÝ»ñÇ ¨  ³é³Ýóù³Ï³ÉÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 95 | Îóáñ¹Ù³Ý áïÝ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 96 | Îóáñ¹Ù³Ý ×áå³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 97 | öî-Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 98 | öî-Ç í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 99 | öî-Ç ³é³Ýóù³Ï³ÉÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 100 | öî-Ç å³ïÛ³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 101 | ì³½ù³ã³÷Ç ß³ñÅ³µ»ñÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 102 | ²öî-Ç ÏáÝí»ñï»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 103 | ²öî-Ç ï³ÝáÕ ëÏ³í³é³ÏÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 104 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 105 | ²öî-Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 106 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 107 | ²öî-Ç í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 108 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 109 | ²öî-Ç ÛáõÕÇ ½ïÇãÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **5. ´³ßËÇã ïáõ÷, Ï³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»é** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 110 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 111 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ  í»ñ³Ýáñá·áõÙáí |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 112 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç ËóáõÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 113 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»éÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 114 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»éÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ,  í»ñ³Ýáñá·. |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 115 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»éÇ Ë³ãáõÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 116 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»éÇ ÙÇç. Ï³ËáóÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **6. ²éç¨Ç ¨ Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç³ÏÝ»ñ** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 117 | ²éç¨Ç Ï³Ù Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 118 | ²éç¨Ç Ï³Ù Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç. ÉÇÏ³ï³ñ ù³Ý¹áõÙ ¨ Ñ³í³ùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 119 | ²éç¨Ç Ï³Ù Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç. Ù³ëÝ³ÏÇ ù³Ý¹áõÙ ¨ Ñ³í³ùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 120 | ²éç¨Ç Ï³Ù Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç. ÏÇë³ëéÝáõ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñ. |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 121 | ÎÇë³ëéÝáõ ³é³Ýóù³Ï³ÉÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **7. Î³Ëáó** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 122 | ²éç¨Ç Ï³ËáóÇ ÉÇ³Ï³ï³ñ ù³Ý¹áõÙ ¨ Ñ³í³ùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 123 | îñ³í»ñëÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 124 | Ò³Ë Ï³Ù ³ç Ñá¹³Ï³åÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 125 | ²Ýí³ÏáõÝ¹Ç ³é³Ýóù³Ï³ÉÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 126 | ÜáõÛÝÁ Ñ»ïÇÝ ï³ÝáÕ ³/Ù-»ñÇ Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 127 | Ð»ï¨Ç ³Ýí³ÏáõÝ¹Ç ³é³Ýóù³Ï³ÉÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 128 | ÜáõÛÝÁ Ñ»ïÇÝ ï³ÝáÕ ³/Ù-»ñÇ Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 129 | Ò³Ë Ï³Ù ³ç Ñá¹³Ï³åÇ ËóáõÏÝ»ñÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 130 | Ò³Ë Ï³Ù ³ç Ñá¹³Ï³åÇ ³é³Ýóù³  Ï³ÉÝ»ñÇ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 131 | òÝó³Ù»ÕÙÇãÇ Ã³ë³ÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 132 | ¼ëå³Ý³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 133 | ¼ëå³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 134 | ¼ëå³ÏÇ íé³ÝÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 135 | ²éç¨Ç óÝó³Ù»ÕÙÇãÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 136 | Ü»ñù¨Ç ÉÍ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 137 | Ü»ñù¨Ç ÉÍ³ÏÇ íé³ÝÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 138 | ²éç¨Ç ³ç Ï³Ù Ó³Ë Ó·³ÝÝ»ñÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 139 | ØÇçÇÝ Ó·³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 140 | Öá×³Ý³Ï³ÛÇÝ ÉÍ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 141 | ì»ñ¨Ç ÉÍ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 142 | ì»ñ¨Ç ÉÍ³ÏÇ íé³ÝÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 143 | ¶Ý¹» Ñá¹³Ï³å»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 144 | Ì³Ûñ³Ï³Ý»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 145 | ²éç¨Ç Ï³ÛáõÝ³ñ³ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 146 | ²éç¨Ç Ï³ÛáõÝ³ñ³ñÇ íé³ÝÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 147 | ²éç¨Ç Ï³ÛáõÝ³ñ³ñÇ ³éç¨Ç íé³ÝÝ»ñÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 148 | Ð»ï¨Ç ½ëå³Ý³ÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 149 | Ð»ï¨Ç óÝó³Ù»ÕÙÇãÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 150 | Ð»ï¨Ç Ó·³ÓáÕÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 151 | Ð»ï¨Ç »ñÏ³Ã³ÓáÕÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 152 | Î³ÛáõÝ³ñ³ñÇ Ï³Ý·Ý³ÏÝ»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 153 | Ð»ï¨Ç ³ÝÏÛáõÝ³·Í³ÛÇÝ ÉÍ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 154 | ²ÝÏÛáõÝ³·Í³ÛÇÝ ÉÍ³ÏÇ íé³ÝÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 155 | ²Ýí³µ³óùÇ Ï³ñ³·³íáñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 156 | ¼á¹Ù³Ý ³ßË³ï³ÝùÝ»ñ 1 ù³é.ëÙ Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **8. Ô»Ï³ÛÇÝ Ù»Ë³ÝÇ½Ù** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 157 | Ô»Ï³ÛÇÝ Ï³ÉáõÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 158 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 159 | Ô»Ï³ÛÇÝ Ï³ÉáõÝÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 160 | ÔÎ-Ç ³é³Ýóù³Ï³ÉÇ ¨/Ï³Ù íé³ÝÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 161 | ÔÎ-Ç Ñá¹³Ï³å»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 162 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ åáÙåÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 163 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 164 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ ÷áÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 165 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 166 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ ÷áÕñ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 167 | ÜáõÛÝÁ DOHC ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 168 | ÜáõÛÝÁ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 169 | Ðàô ÔÎ-Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 170 | Ðàô ÔÎ-Ç í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **9. ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ñ³Ù³Ï³ñ·** |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 171 | ¶ÉË. ·É³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 172 | ¶ÉË. ·É³ÝÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 173 | ì³ÏáõáõÙ³ÛÇÝ áõÅ»Õ³ñ³ñÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 174 | ´³Ýí. ·É³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 175 | ´³Ýí. ·É³ÝÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 176 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç û¹³Ñ³ÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 177 | ²éç¨Ç ëáõååáñïÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 178 | Ð»ï¨Ç ëáõååáñïÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 179 | ²éç¨Ç ëáõååáñïÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 180 | Ð»ï¨Ç ëáõååáñïÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 181 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ÷áÕñ³ÏÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 182 | ²éç¨Ç ³ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ïá×Õ³ÏÝ»ñÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 183 | Ð»ï¨Ç ëÏ³í³é³Ï³ÛÇÝ Ïá×Õ³ÏÝ»ñÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 184 | Ð»ï¨Ç Ïá×Õ³ÏÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 185 | ²éç¨Ç ³ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ëÏ³í³é³ÏÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 186 | Ð»ï¨Ç ³ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ëÏ³í³é³ÏÇ  ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 187 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ë»ÕÙ³ÏÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 188 | ABS-Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 189 | ABS-Ç í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 190 | Ò»éùÇ ³ñ·»É³ÏÇ ×áå³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 191 | Ò»éùÇ ³ñ·»É³ÏÇ Ù»Ë³ÝÇ½ÙÇ  í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **10. ¾É»Ïïñ³ë³ñù³íáñáõÙ** |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 192 | ¾É»Ïïñ³ë³ñù³íáñÙ³Ý í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 193 | â³÷Çã ë³ñù»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 194 | ¶»Ý»ñ³ïáñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 195 | ÜáõÛÝÁ V6-Ç ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 196 | ÜáõÛÝÁ ÑÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ ¹»åùáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 197 | ¶»Ý»ñ³ïáñÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 198 | Ø»ÏÝ³ñÏÇãÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 199 | Ø»ÏÝ³ñÏÇãÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 200 | ²éç¨Ç É³åï»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 201 | Ð»ï¨Ç É³åï»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 202 | ´éÝÏÙ³Ý ÏáÕå»ùÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 203 | ì³½ù³ã³÷Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 204 | ì³½ù³ã³÷Ç ×áå³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 205 | ê³ù»ñÇ å³Ý»ÉÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 206 | ²ñ³·³ã³÷Ç Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 207 | ²½¹³Ýß³ÝÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 208 | ²å³Ï»Éí³óÇãÇ ß³ñÅÇãÇ Ñ³ÝáõÙ  ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 209 | ¸éÝ»ñÇ Ï»ÝïñáÝ³Ï³Ý ÷³Ï³ÝÇ  Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 210 | ²½¹³Ýß³Ý³ÛÇÝ Ñ³Ù³Ï³ñ·Ç  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 211 | Ø³·ÝÇïáÉ³ÛÇ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 212 | ì³éáóù³ÛÇÝ É³ñ»ñÇ Ñ³ÝáõÙ ¨  ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 213 | ¾É/Ñ³Õáñ¹³É³ñ»ñÇ Ù³ëÝ³ÏÇ  í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 214 | ¾É/Ñ³Õáñ¹³É³ñ»ñÇ ÑÇÙÝ. ËáõñóÇ  Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 215 | ¾É/Ñ³Õáñ¹³É³ñ»ñÇ »ñÏñáñ¹. ËáõñóÇ  Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 216 | ¾É»Ïïñ³Ï³Ý ïíÇãÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 217 | ¾É»Ïïñ³Ï³Ý ³Ýç³ïÇãÝ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 218 | ì³éáóùÇ ÙáÙ»ñÇ ÷áË³ñÇÝáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 219 | ÎáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ ÉÇóù³íáñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 220 | ÎáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **11. ²ÛÉ Í³é³ÛáõÃÛáõÝÝ»ñ** |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 221 | ²íïáÙ»ù»Ý³ÛÇ Ã³÷ùÇ ÑÕÏáõÙ ¨  Ý»ñÏáõÙ ·ÇÝ 1 ù³é.¹Ù - Ç Ñ³Ù³ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 222 | ²íïáÙ»ù»Ý³ÛÇ Éí³óáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 223 | ²ÝÇíÇ Ñ³ÝáõÙ ¨ ï»Õ³¹ñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 224 | ²Ýí³¹áÕÇ í»ñ³Ýáñá·áõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 225 | ²ÝÇíÇ µ³Û³Ýë³íáñáõÙ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 226 | ²ÝÇíÇ í³Éó |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 227 | CO-½á¹Ù³Ý ³ßË³ï³ÝùÝ»ñ,  *·ÇÝ 1 ù³é.ëÙ - Ç Ñ³Ù³ñ* |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 228 | Ê³é³ï³ÛÇÝ ³ßË³ï³ÝùÝ»ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 229 | ö³Ï³Ý³·áñÍÇ ³ßË³ï³ÝùÝ»ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 230 | ø³ñß³ñÏÇ Í³é³ÛáõÃÛáõÝ  *·ÇÝ 1ÏÙ, Ñ³Ù³ñ* |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  |  |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **îê-2 ÁÝÃ³óùáõÙ û·ï³·áñÍíáÕ**  **å³Ñ»ëï³Ù³ë»ñÇ ùë³ÛáõÕ»ñÇ ¨**  **³ÛÉ ûÅ³Ý¹³Ï ÝÛáõÃ»ñÇ**  **³Ýí³ÝáõÙÝ»ñÁ** |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **1.Þ³ñÅÇã** |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 1 | Þ³ñÅÇãÇ µÉáÏ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 2 | Þ³ñÅÇãÇ ·ÉËÇÏ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 3 | ´³ñÓÇÏ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 4 | Þ³ñÅÇãÇ ·ÉËÇÏÇ ÙÇç³¹Çñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 5 | Þ³ñÅÇãÇ í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý ÏáÙåÉ»Ïï |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 6 | Þ³ñÅÇãÇ µ³ßËÇã ÉÇë»é |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 7 | Þ³ñÅÇãÇ ÷³Ï³Ý ¹áõñë ÙÕáÕ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 8 | Þ³ñÅÇãÇ ÷³Ï³Ý Ý»ñë ÙÕáÕ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 9 | Þ³ñÅÇãÇ ÷³Ï³ÝÇ ËóáõÏ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 10 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»é |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 11 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»éÇ ËóáõÏ ³éç¨Ç |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 12 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»éÇ ËóáõÏ Ñ»ï¨Ç |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 13 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»éÇ ³ñÙ³ï³Ï³Ý  Ý»ñ¹ÇñÝ»ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 14 | ÌÝÏ³Ó¨ ÉÇë»éÇ ß³ñÅ³Ã¨³ÛÇÝ  Ý»ñ¹ÇñÝ»ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 15 | Ð»Ý³Ï³ÛÇÝ ï³÷áÕ³Ï |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 16 | ØËáó |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 17 | ØËáó³ÛÇÝ ûÕ³ÏÝ»ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 18 | ²ï³ÙÝ³ÝÇí |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 19 | ²ï³ÙÝ³íáñ ÷áÏ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 20 | ÞÕÃ³ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 21 | ÐÇ¹ñáÓ·³Ý |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 22 | ÐñÇã |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 23 | ÐÇ¹ñáÑñÇã |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 24 | ´³ßÙ³Ï |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 25 | Ð³Ý·ëï³ñ³ñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 26 | Â³÷³ÝÇí |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 27 | Â³÷³ÝÇíÇ åë³Ï |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 28 | ÊóáõÏ µ³ßËÇã ÉÇë»éÇ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 29 | ÞÏÇí |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 30 | Þ³ñÅ³Ã¨ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 31 | Î³ñï»ñÇ ÙÇç³¹Çñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 32 | ØÇç³¹Çñ |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | **2.Ô»Ï³í³ñÙ³Ý, ëÝÙ³Ý ¨ ÛáõÕÙ³Ý**  **Ñ³Ù³Ï³ñ·** |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 33 | ÚáõÕ ß³ñÅÇãÇ Ñ³Ýù³ÛÇÝ, *1 ÉÇïñ* |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | |  | | |  | |
| 34 | ÚáõÕ ß³ñÅÇãÇ ÏÇë³ëÇÝÃ»ïÇÏ,*1 ÉÇïñ* | | | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 35 | ÚáõÕ ß³ñÅÇãÇ ëÇÝÃ»ïÇÏ, *1 ÉÇïñ* | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 36 | ÚáõÕÇ ½ïÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 37 | ÚáõÕÇ åáÙå | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 38 | ÚáõÕÇ åáÙåÇ ß³ñÅ³µ»ñ | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 39 | ÚáõÕÇ é³¹Ç³ïáñ | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 40 | ÚáõÕÇ ÷áÕñ³Ï | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 41 | ÚáõÕÇ Íáñ³Ï | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 42 | ì³éáóùÇ ÙáÙ | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 43 | ´»Ý½áµ³ù | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 44 | Ê³éÝ³ñ³Ï | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 45 | Ê³éÝ³ñ³ÏÇ í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý  Ñ³í³ù³Íáõ | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 46 | ÆÝÅ»ÏïáñÇ ýáñëáõÝÏ³ | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 47 | ì³é»É³ÝÛáõÃÇ ÙÕÇã ¿É»Ïïñ³Ï³Ý | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 48 | ì³é»É³ÝÛáõÃÇ ÙÕÇã Ù»Ë³ÝÇÏ³Ï³Ý | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 49 | ì³é»É³ÝÛáõÃÇ ½ïÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 50 | ì³é»É³ÝÛáõÃÇ ½ïÇã Ýáõñµ Ù³ùñÙ³Ý | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 51 | ì³é»É³ÝÛáõÃÇ ÷áÕñ³Ï | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 52 | ²ùë»É»ñ³ïáñÇ ×áå³Ý | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 53 | ú¹Ç ½ïÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 54 | æ»ñÙ³ëïÇ×³Ý³ÛÇÝ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | | | |  | |
| 55 | ÚáõÕÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 56 | ´³ßËÇã ÉÇë»éÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 57 | ú¹Ç Í³ËëÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 58 | ²ñ³·³ã³÷Ç ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 59 | ÐáíÑ³ñÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 60 | æñÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 61 | ´»Ý½áµ³ùÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 62 | Ø³ñÙ³Ý ÁÝÃ³óùÇ Ï³ñ·³íáñÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 63 | Ø³ñÙ³Ý ÁÝÃ³óùÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 64 | Ô»Ï³í³ñÙ³Ý Ñ³Ù³Ï³ñ·Çã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 65 | ä³ñ³å ÁÝÃ³óùÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 66 | ¸ñáë»É³ÛÇÝ ÷³Ï³ÝÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 67 | ÂÃí³ÍÝÇ ïíÇã | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
|  | **3. ê³é»óÙ³Ý ¨ ³ñï³ÍÙ³Ý**  **Ñ³Ù³Ï³ñ·** | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 68 | ÐáíÑ³ñÇ ÷áÏ | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | | |  |  | | | | |  | |  | | | |  | |
| 69 | ÐáíÑ³ñ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 70 | è³¹Ç³ïáñ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 71 | ÀÝ¹³ñÓ³ÏáÕ µ³ù | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 72 | è³¹Ç³ïáñÇ ÷áÕñ³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 73 | Â»ñÙáëï³ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 74 | æñÇ åáÙå | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 75 | æñÇ åáÙåÇ ³é³Ýóù³Ï³É | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 76 | æñÇ åáÙåÇ Ã¨³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 77 | ê³é»óÙ³Ý Ñ»ÕáõÏ *1 ÉÇïñ* | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 78 | æñÇ åáÙåÇ ëéÝ³ÝÇí | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 79 | ÐáÉáí³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 80 | öáÏ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 81 | öáÏ ÏáÝ¹ÇóÇáÝ»ñÇ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 82 | Ìáñ³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 83 | ÊÉ³ñ³ñÇ Ý»ñ¹Çñ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 84 | ÊÉ³ñ³ñÇ Ï³Ëáó | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 85 | ÎñáÝßï»ÛÝ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 86 | ²Ýáõñ (Ê³Ùáõï) | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 87 | ÊÉ³ñ³ñ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 88 | è»½áÝ³ïáñ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 89 | ì³é³ñ³ÝÇ é³¹Ç³ïáñ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
|  | **4. Îóáñ¹áõÙ, öî ¨ ²öî** | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 90 | Îóáñ¹Ù³Ý µ³Ýíáñ³Ï³Ý ·É³Ý | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | |  | | | |  |  | | | |  | |
| 91 | Îóáñ¹Ù³Ý ·ÉË³íáñ ·É³Ý | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 92 | Îóáñ¹Ù³Ý ·É³ÝÇ í»ñ³Ýáñá·Ù³  Ñ³í³ù³Íáõ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 93 | Îóáñ¹Ù³Ý ï³ÝáÕ ëÏ³í³é³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 94 | Îóáñ¹Ù³Ý ï³ñíáÕ ëÏ³í³é³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 95 | Îóáñ¹Ù³Ý ³é³Ýóù³Ï³É | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 96 | Îóáñ¹Ù³Ý ÷áÕñ³Ï | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 97 | öáË³ÝóÙ³Ý ïáõ÷ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 98 | öî-Ç ³éç¨Ç ËóáõÏ | |  | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 99 | öî-Ç Ñ»ï¨Ç ËóáõÏ | |  | | |  | | | | | | | | | | | | |  | | | | |  | |  | | | | | |  |  | | | |  | |
| 100 | öî-Ç ³é³Ýóù³Ï³É | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 101 | öî-Ç ³é³çÝ³ÛÇÝ ÉÇë»é | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 102 | öî-Ç ÙÇç³ÝÏÛ³É ÉÇë»é | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 103 | öî-Ç »Õ³ÝÇÏ | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 104 | öî-Ç ³ï³ÙÝ³ÝÇí | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 105 | Ð³Ù³Å³ÙÇã | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 106 | Øáõýï | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 107 | öî-Ç í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý ÏáÙåÉ»Ïï | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 108 | ²öî-Ç ½ïÇã | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 109 | ²öî-Ç ëÏ³í³é³ÏÝ»ñÇ Ñ³í³ù³Íáõ | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 110 | ²öî-Ç í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý ÏáÙåÉ»Ïï | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 111 | îñ³ÝëÙÇëëÇáÝ ÛáõÕ, *1 ÉÇïñ* | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 112 | ²öî Ûáõ *1 ÉÇïñ* | | |  |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | |  | | | |  | | | |  | | |  | |
| 113 | öî-Ç ³é³çÝ³ÛÇÝ ÉÇë»é | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 114 | Ð»ñÙ»ïÇÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
|  | **5. ´³ßËÇã ïáõ÷, Ï³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»é** | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 115 | ´³ßËÇã ïáõ÷ | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 116 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç ËóáõÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 117 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 118 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç ³ï³ÙÝ³ÝÇí | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 119 | ´³ßËÇã ïáõ÷Ç ÉÇë»é | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 120 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»é | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 121 | ¾É³ëïÇÏ Ùáõýï | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 122 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»éÇ ÙÇç³ÝÏÛ³É Ñ»Ý³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 123 | Î³ñ¹³Ý³ÛÇÝ ÉÇë»éÇ Ë³ãáõÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
|  | **6. ²éç¨Ç ¨ Ñ»ï¨Ç Ï³Ùñç³ÏÝ»ñ** | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 124 | Ð»ï¨Ç Ï³Ù ³éç¨Ç Ï³Ùñç³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 125 | è»¹áõÏïáñ | | |  | |  | | | |  | | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 126 | ¶ÉË³íáñ ÷áË³ÝóÙ³Ý  ³ï³ÙÝ³ÝÇíÝ»ñÇ ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 127 | ¸Çýý»ñ»ÝóÇ³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 128 | ¸Çýý»ñ»ÝóÇ³ÉÇ ë³ï»ÉÉÇï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 129 | î³ÝáÕ ³ï³ÙÝ³ÝÇíÇ ËóáõÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 130 | î³ÝáÕ ³ï³ÙÝ³ÝÇíÇ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 131 | ¸Çýý»ñ»ÝóÇ³ÉÇ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 132 | ÎÇë³ëéÝÇ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 133 | ÎÇë³ëéÝáõ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 134 | ÎÇë³ëéÝáõ ÙÇç³¹Çñ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 135 | ÎÇë³ëéÝáõ ËóáõÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 136 | Î³ñ·³íáñÇã ï³÷áÕ³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
|  | **7. Î³Ëáó** | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 137 | îñ³í»ñë | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 138 | ÎñáÝßï»ÛÝ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 139 | Ò³Ë Ï³Ù ³ç Ñá¹³Ï³å | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 140 | Ò³Ë Ï³Ù ³ç Ñá¹³Ï³åÇ  ÷áß»ÃÇÏÝáó | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 141 | ²Ýí³ÏáõÝ¹ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 142 | ²Ýí³ÏáõÝ¹Ç ËóáõÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 143 | ²Ýí³ÏáõÝ¹Ç Ý»ñùÇÝ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 144 | ²Ýí³ÏáõÝ¹Ç ³ñï³ùÇÝ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 145 | Ð»ï¨Ç ³Ýí³ÏáõÝ¹Ç Ý»ñùÇÝ  ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  |  | | |
| 146 | Ð»ï¨Ç ³Ýí³ÏáõÝ¹Ç ³ñï³ùÇÝ  ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 147 | Ò³Ë Ï³Ù ³ç Ñá¹³Ï³åÇ ËóáõÏ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 148 | Ð³ñí³Í³Ù»ÕÙÇãÇ Ã³ë³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 149 | ¼ëå³Ý³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 150 | ²éç¨Ç Ñ³ñí³Í³Ù»ÕÙÇã | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 151 | Ð³ñí³Í³Ù»ÕÙÇãÇ ÷áß»ÃÇÏÝáó | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 152 | Ð³ñí³Í³Ù»ÕÙÇãÇ íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 153 | Ü»ñù¨Ç ÉÍ³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 154 | Ü»ñù¨Ç ÉÍ³ÏÇ íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 155 | ì»ñ¨Ç ÉÍ³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 156 | ì»ñ¨Ç ÉÍ³ÏÇ íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 157 | ¶Ý¹» Ñá¹³Ï³å | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 158 | ²éç¨Ç Ï³ÛáõÝ³ñ³ñ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 159 | ²éç¨Ç Ï³ÛáõÝ³ñ³ñÇ íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 160 | ²éç¨Ç Ï³ÛáõÝ³ñ³ñÇ ³éç¨Ç íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 161 | Ð»ï¨Ç ½ëå³Ý³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 162 | Ð»ï¨Ç óÝó³Ù»ÕÙÇã | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 163 | Ð»ï¨Ç Ù»ï³Õ³ÓáÕ (ßï³Ý·³) | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 164 | Ð»ï¨Ç Ù»ï³Õ³ÓáÕÇ (ßï³Ý·³) íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 165 | Ð»ï¨Ç ³ÝÏÛáõÝ³·Í³ÛÇÝ ÉÍ³Ï | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 166 | ²ÝÏÛáõÝ³·Í³ÛÇÝ ÉÍ³ÏÇ íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 167 | ¼ëå³Ï (é»ëëáñ³) | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 168 | ¼ëå³ÏÇ íé³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 169 | ¼ëå³ÏÇ ÙÇç³¹Çñ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 170 | ¼ëå³ÏÇ µéÝÇã | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 171 | ²ç Ï³Ù Ó³Ë Ó·³Ý | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 172 | Ì³Ûñ³Ï³É | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 173 | Ò·³Ý Ù»çï»ÕÇ | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 174 | ²Ýí³Ñ»Í | | |  | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | |  | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
|  | **8. Ô»Ï³ÛÇÝ Ù»Ë³ÝÇ½Ù** | | |  | |  | | | | |  | | | | | |  | | | | |  | | | | |  | | |  | | | | |  | |  | |
| 175 | Ô»Ï³ÛÇÝ Ï³ÉáõÝ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 176 | Ô»Ï³ÛÇÝ Ï³ÉáõÝÇ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 177 | Ô»Ï³ÛÇÝ Ï³ÉáõÝÇ Ë³ãáõÏ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 178 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 179 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ ÷áÏ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 180 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý  ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 181 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ åáÙå | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 182 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ åáÙåÇ  í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 183 | Ô»Ï³ÛÇÝ ÓáÕ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 184 | Ô»Ï³ÛÇÝ ÓáÕÇ Í³Ûñ³Ï³É | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 185 | ÐÇ¹ñááõÅ»Õ³ñ³ñÇ ÛáõÕ, *1 ÉÇïñ* | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 186 | Öá×³Ý³Ï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 187 | Öá×³Ý³ÏÇ íé³Ý | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
|  | **7. ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ñ³Ù³Ï³ñ·** | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 188 | ¶ÉË. ·É³Ý | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 189 | ¶ÉË. ·É³ÝÇ í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý  ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 190 | ì³ÏáõáõÙ³ÛÇÝ áõÅ»Õ³ñ³ñ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 191 | ´³Ýí. ·É³Ý | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 192 | ´³Ýí. ·É³ÝÇ í»ñ³Ýáñá·Ù³Ý  ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 193 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ÷áÕñ³Ï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 194 | êáõååáñïÇ áõÕÕáñ¹Çã | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 195 | êáõååáñïÇ Ù³ÝÅ»ï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 196 | ²éç¨Ç ³ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ïá×Õ³ÏÝ»ñÇ  ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 197 | Ð»ï¨Ç ëÏ³í³é³Ï³ÛÇÝ Ïá×Õ³ÏÝ»ñÇ  ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 198 | Ð»ï¨Ç ÃÙµáõÏ³ÛÇÝ Ïá×Õ³ÏÝ»ñÇ  ÏáÙåÉ»Ïï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 199 | ²éç¨Ç ³ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ëÏ³í³é³Ï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 200 | Ð»ï¨Ç ³ñ·»É³Ï³ÛÇÝ ëÏ³í³é³Ï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 201 | Ò»éùÇ ³ñ·»É³ÏÇ ×áå³Ý | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | |  | |
| 202 | ABS-Ç ïíÇã | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | |  | | | | | |  | | |  |
| 203 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ñ»ÕáõÏ, DOT-3 - 800·ñ³Ù | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | |  | | | | | |  | | |  |
| 204 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ Ñ»ÕáõÏ, DOT-4 - 800·ñ³Ù | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | |  | | | | | |  | | |  |
| 205 | Ò»éùÇ ³ñ·»É³ÏÇ ×áå³Ý | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | |  | | | | | |  | | |  |
|  | **9. ¾É»Ïïñ³ë³ñù³íáñáõÙ** | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | |  | | | | | |  | | |  |
| 206 | ¶»Ý»ñ³ïáñ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | |  | | | | | |  | | |  |
| 207 | ¶»Ý»ñ³ïáñÇ ¹Çá¹³ÛÇÝ Ï³Ùñç³Ï | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 208 | ¶»Ý»ñ³ïáñÇ é»É» | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 209 | ¶»Ý»ñ³ïáñÇ ³é³Ýóù³Ï³É | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 210 | êï³ñï»ñ | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 211 | êï³ñï»ñÇ é»É» | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 212 | êï³ñï»ñÇ ³ÍáõË | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 213 | ´»Ý¹»ùë | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 214 | êï³ñï»ñÇ Ïóáñ¹Çã (³íïáÙ³ï) | | |  | |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 215 | ²éç¨Ç É³åï»ñ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 216 | ²éç¨Ç Ã³ñÃÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 217 | Ð»ï¨Ç É³åï»ñ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 218 | Ð»ï¨Ç Ã³ñÃÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 219 | ²ñ·»É³Ï³ÛÇÝ É³åï»ñ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 220 | È³Ùå | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 221 | ¾É»Ïïñ³Ï³Ý ³Ýç³ïÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 222 | ¾É»Ïïñ³Ï³Ý ïíÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 223 | ¾É»Ïïñ³Ï³Ý ã³÷Çã ë³ñù | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 224 | ´éÝÏÙ³Ý ÏáÕå»ù | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 225 | ¾É»Ïïñ³É³ñ»ñÇ ·ÉË³íáñ Ëáõñó | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 226 | ¾É»Ïïñ³É³ñ»ñÇ »ñÏñáñ¹³ÛÇÝ Ëáõñó | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 227 | ì³éáóù³ÛÇÝ É³ñ»ñÇ Ëáõñó | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 228 | ì³éáóùÇ ÙáÙÇ Í³Ûñ³Ï³É | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 229 | ì³½ù³ã³÷ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 230 | ì³½ù³ã³÷Ç ×áå³Ý | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 231 | ²ñ³·³ã³÷ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 232 | ²½¹³Ýß³Ý | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 233 | ²å³Ï»Éí³óÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 234 | ²å³Ï»Éí³óÇãÇ ß³ñÅÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 235 | ¸éÝ»ñÇ Ï»ÝïñáÝ³Ï³Ý ÷³Ï³Ý | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 236 | ²½¹³Ýß³Ý³ÛÇÝ Ñ³Ù³Ï³ñ· | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 237 | Ø³·ÝÇïáÉ³ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 238 | ¾É»Ïïñ³³Ùµ³ñÓÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 239 | ¾É»Ïïñ³³Ùµ³ñÓÇãÇ ß³ñÅÇã | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
| 240 | Ü»ñÏ, ÉáõÍÇã, ûÅ³Ý¹³Ï ÝÛáõÃ»ñ  *·ÇÝ 1¹/Ù í»ñ³Ýáñ·Ù³Ý Ñ³Ù³ñ* | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
|  | ÀÝ¹Ñ³Ù»ÝÁ` Áëï ã³÷³µ³ÅÇÝÝ»ñÇ | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
|  |  | | |  | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | |  | | | |  | | | | |  | | |  |
|  | **Ì³ÝáõóáõÙ.**  **Եթե 1-ին տեղ զբաղեցնողի հետ, պայմանագրի կնքումից հետո, ի հայտ գան գÝ³ óáõóակում չընդգրկված, սակայն ³ÝÑñ³Å»ßï Ýáñá·ումների ¨ ëå³ë³ñÏÙ³Ý Í³é³ÛáõÃÛáõÝÝ»ñÇ պահանջ,ապա դրաց ³ñÅ»ùÁ կորոշվի երկկողմ համաձայնությամբ` բանակցությունների միջոցով:** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  | | | | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |
|  |  | | |  | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |
|  |  | | |  | | |  | | | | | | |  |  | | | | | |

Հավելված N2

«ԳԱԿ-ՇՀԾՁԲ-11/3 » ծածկագրերով

ընթացակարգերի հրավերի

«ՎՊ-ՇՀԾՁԲ-11/3 » ծածկագրով

ընթացակարգերի գնահատող հանձնաժողովին

**ԳՆՄԱՆ ԸՆԹԱՑԱԿԱՐԳԻՆ ՄԱՍՆԱԿՑԵԼՈՒ**

**ԴԻՄՈՒՄ**

-------------------------------------------------------------------------ն հայտնում է, որ ցանկություն ունի մասնակցելու

Ընթացակարգի մասնակցի անվանումը (անունը)

«…………………» …………..-ի կողմից N «…………….» ծածկագրով

հայտարարված ընթացակարգի ------------------------------------------------------------------------------------------- չափաբաժնին

չափաբաժնի (չափաբաժինների) համարը

(չափաբաժիններին) և հրավերի (ծանուցման) պահանջներին համապատասխան ներկայացնում է հայտը:

-------------------------------------------------------------------------------ն հայտնում և հավաստում է, որ իր հիմնադրի

Ընթացակարգի մասնակցի անվանումը (անունը)

կողմից հիմնադրված կամ ավելի քան հիսուն տոկոս իր հիմնադրին պատկանող բաժնեմաս ունեցող կազմակերպությունների միաժամանակյա մասնակցությունը սույն ընթացակարգին բացառվում է, բացառությամբ`

1) պետության կամ համայնքների կողմից հիմնադրված կազմակերպությունների,

2) համատեղ գործունեության կարգով (կոնսորցիումով) մասնակցության դեպքերի:

-------------------------------------------------------------------------ն հայտնում և հավաստում է, որ չունի գերիշխող

Ընթացակարգի մասնակցի անվանումը (անունը)

դիրքի չարաշահում և հակամրցակցային համաձայնություն:

------------------------------------------------------------------------------------------------------------ի էլեկտրոնային փոստի հասցեն է`

Ընթացակարգի մասնակցի անվանումը (անունը)

-----------------------------------------------------------------------------------------:

Հավելված N3

«ԳԱԿ-ՇՀԾՁԲ-11/3» ծածկագրով

ընթացակարգի հրավերի

«ՎՊ-ՇՀԾՁԲ-11/3» ծածկագրով

ընթացակարգի գնահատող հանձնաժողովին

**Գնի առաջարկ**

Ուսումնասիրելով Ձեր կողմից տրամադրված N «………………..» ծածկագրով ընթացակարգի հրավերը (ծանուցումը), այդ թվում` կնքվելիք պայմանագրի

նախագիծը, ----------------------------------------------------------------------ն առաջարկում է պայմանագիրը կատարել

Ընթացակարգի մասնակցի անվանումը (անունը)

համաձայն հետևյալ գների`

**(ՀՀ դրամ)**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **Չափա-**  **բաժինների համարները** | **Գնման առարկայի անվանումը** | **Արժեք\*** | **ԱԱՀ\*\*** | **Պայմանագրի կատարման համար առաջարկվածգինը**  **/տառերովևթվերով/** |
| ***1*** | ***2*** | ***3*** | ***4*** | ***5=3+4*** |
| **1** |  |  |  |  |

***\*3-րդ սյունյակում նշված «Արժեքը» ներառում է ինքնարժեքը և շահույթը:***

***\**\**Եթե մասնակիցն ավելացված արժեքի հարկ վճարող է, ապա տվյալ պայմանագրի գծով Հայաստանի Հանրապետության պետական բյուջե վճարվելիք ավելացված արժեքի հարկի գումարը նշվում է 4-րդ սյունակում։***

|  |  |
| --- | --- |
| --------------------------------------------------------------------------------------------- | ---------------------------------------------- |
| Մասնակցի անվանումը (անունը) (ղեկավարի պաշտոնը, Անուն Ազգանունը) | (ստորագրությունը) |
|  |  |
|  | Կ. Տ. |
|  | «---------» ------------------ 2015թ. |
|  | (ամսաթիվը, ամիսը) |

*Նախագիծ*

*Հավելված 4*

*«…………………….» ծածկագրովհրավերի*

ՊԱՅՄԱՆԱԳԻՐ

## ..........................................

## ԾԱՌԱՅՈՒԹՅՈՒՆՆԵՐԻԳՆՄԱՆ

## N ...............................

|  |  |
| --- | --- |
| ք. Երևան | «-----» ----------------- 2015թ. |

«......................» .....................-ն՝իդեմսԱշխատակազմիղեկավարԱ. Ներսիսյանի,որըգործումէհիմնարկիկանոնադրությանհիմանվրա (այսուհետև՝Պատվիրատու), միկողմից, և---------------------------------------------------ն՝իդեմսԸնկերությանտնօրեն--------------------------------------------------------------ի (այսուհետև՝Կատարող), մյուսկողմից, կնքեցինսույնպայմանագիրըհետևյալիմասին։

**1. Պայմանագրի առարկան**

1.1 Պատվիրատուն հանձնարարում է, իսկ Կատարողը ստանձնում է .......................... ծառայությունների մատուցման պարտավորությունը (այսուհետև` Ծառայություն)` համաձայն սույն պայմանագրի անբաժանելի մասը կազմող N 1 և 2 հավելվածներով սահմանված Տեխնիկական բնութագիր-գնմանժամանակացույցի պահանջների:

1.2 Ծառայությունը մատուցվում է սույն պայմանագրի N 1 հավելվածովսահմանված Տեխնիկական բնութագիր-գնմանժամանակացույցովսահմանված ժամկետում:

**2. ԿՈՂՄԵՐԻ ԻՐԱՎՈՒՆՔՆԵՐԸ ԵՎ ՊԱՐՏԱԿԱՆՈՒԹՅՈՒՆՆԵՐԸ**

2.1 Պատվիրատուն իրավունք ունի`

2.1.1 Ցանկացած ժամանակ ստուգել Կատարողի կողմից մատուցվող Ծառայության ընթացքը և որակը` առանց միջամտելու Կատարողի գործունեությանը.

2.1.2 Եթե մատուցվել է սույնպայմանագրի N 1 հավելվածում նշվածտեխնիկականբնութագրերինչհամապատասխանող Ծառայություն.

ա) Չընդունել Ծառայությունը՝ իրհայեցողությամբսահմանելոչպատշաճորակի Ծառայությունը սույնպայմանագրինհամապատասխանողԾառայությամբանհատույցփոխարինմանողջամիտժամկետ ևպահանջել Կատարողից վճարելուսույնպայմանագրի 5.2 կետովնախատեսվածտուգանքը, ինչպես նաև 5.3 կետով նախատեսված տույժը.

բ) Հրաժարվելսույնպայմանագիրըկատարելուցևպահանջելվերադարձնելու Ծառայույթյան համարվճարվածգումարը և պահանջել Կատարողից վճարելուսույնպայմանագրի 5.2 կետովնախատեսվածտուգանքը.

2.1.3 Միակողմանիլուծելսույնպայմանագիրը, եթե Կատարողնէականորենխախտելէսույնպայամանագիրը: Կատարողի կողմից պայմանագիրըխախտելնէականէհամարվում, եթե՝

ա) մատուցված Ծառայությունը չի համապատասխանում սույն պայմանագրի N 1 հավելվածով սահմանված պահանջներին,

բ) խախտվել է Ծառայության մատուցման ժամկետը,

**2.2 Պատվիրատուն պարտավոր է`**

2.2.1 Քննարկել և ընդունել Տեխնիկական բնութագրին համապատասխան մատուցված Ծառայության արդյունքը, իսկ Ծառայության արդյունքում թերություններ հայտնաբերելու դեպքերում` այդ մասին անհապաղ գրավոր հայտնել Կատարողին:

2.2.2 Ծառայության արդյունքն ընդունելու դեպքում Կատարողին վճարել վերջինիս վճարման ենթակա գումարները, իսկ ժամկետի խախտման դեպքում` նաև սույն պայմանագրի 5.5 կետով նախատեսված տույժը:

**2.3 Կատարողն իրավունք ունի`**

2.3.1 Պատվիրատուից պահանջել վճարելու իրեն վճարման ենթակա գումարները, իսկ Պատվիրատուի կողմից սույն պայմանագրի 4.2 կետում նշված ժամկետի խախտման դեպքում նաև սույն պայմանագրի 5.5 կետով նախատեսված տույժը:

2.3.2 Սույն պայմանագրի մինչև 25 տոկոսը կարող է իրականացվել գործակալության պայմանագիր կնքելու միջոցով: Գործակալության պայմանագրի կողմ չի կարող հանդիսանալ տվյալ ընթացակարգում հաղթող ճանաչված, սակայն պայմանագիր կնքելուց հրաժարված մասնակիցը:

**2.4 Կատարողը պարտավոր է`**

2.4.1 Սույն պայմանագրի N 1 հավելվածով սահմանված պայմաններով ապահովել Ծառայության մատուցումը` ղեկավարվելով գործող օրենսդրությամբ:

2.4.2 Սույն պայմանագրով նախատեսված դեպքերում վճարել սույն պայմանագրի 5.2 և 5.3 կետերով նախատեսված տույժը և տուգանքը:

2.4.3 Սույն պայմանագրի կատարման (կանխավճարի) ապահովման գործողության ընթացքում լուծարման կամ սնանկացման գործընթաց սկսելու դեպքում դրա մասին նախապես գրավոր տեղեկացնել Պատվիրատուին:

**3. ԾԱՌԱՅՈՒԹՅԱՆ ՀԱՆՁՆՄԱՆ ԵՎ ԸՆԴՈՒՆՄԱՆ ԿԱՐԳԸ**

3.1 Պայմանագրի կամ դրա մի մասի կատարման արդյունքներն ընդունվում են Պատվիրատուի և Կատարողի միջև հանձնման-ընդունման արձանագրության (այսուհետ՝ Արձանագրություն) ստորագրմամբ:

Կատարողը Ծառայության մատուցման ավարտից 2 աշխատանքային օրվա ընթացքում Պատվիրատուին է հանձնում մատուցված Ծառայության մասին իր կողմից ստորագրված հանձնման-ընդունման արձանագրության երկու օրինակ (Հավելված N 3):

3.2 Արձանագրությունն ստորագրվում է, եթե մատուցված Ծառայությունը համապատասխանում է պայմանագրի պայմաններին: Հակառակ դեպքում պայմանագրի կամ դրա մի մասի կատարման արդյունքները չեն ընդունվում, Արձանագրություն չի ստորագրվում և պատվիրատուն`

ա) հարցի կարգավորման համար ձեռնարկում է նման իրավիճակի համար սույն պայմանագրով նախատեսված միջոցները.

բ) Կատարողի նկատմամբ կիրառում է սույն պայմանագրով նախատեսված պատասխանատվության միջոցներ:

3.3 Պատվիրատուն Արձանագրությունը ստանալու պահից տասնօրյա ժամկետում Կատարողին է ներկայացնում իր կողմից ստորագրված Արձանագրության մեկ օրինակը կամ Ծառայությունը չընդունելու պատճառաբանված մերժումը:

**4. ՊԱՅՄԱՆԱԳՐԻ ԳԻՆԸ**

4.1. Սույն պայմանագրով Կատարողի մատուցման ենթակա Ծառայության ընդհանուր գինը կազմում է ------------------------------ (-------------------------------------------------------------) ՀՀ դրամ, ներառյալ ԱԱՀ-ն:

Գինը ներառում է Կատարողի կողմից իրականացվող բոլոր ծախսերը` այդ թվում հարկերը, տուրքերըևՀՀօրենսդրությամբ սահմանված այլ վճարները:

Ծառայության մատուցման գինը կայուն է և Կատարողն իրավունք չունի պահանջել ավելացնելու, իսկ Պատվիրատուն նվազեցնելու այդ գինը:

4.2 Պատվիրատուն իրեն մատուցած Ծառայության դիմաց վճարում է անկանխիկ` դրամական միջոցները Կատարողի հաշվարկային հաշվին փոխանցելու միջոցով: Դրամական միջոցների փոխանցումը կատարվում է Արձանագրության հիման վրա` սույն պայմանագրի N 2 հավելվածով սահմանված վճարման ժամանակացույցով նախատեսված ամսում (եթե արձանագրությունը կազմվում է տվյալ ամսվա 20-ից հետո, ապա վճարումն իրականացվում է 20 բանկային օրվա ընթացքում), բայց ոչ ավելի տվյալ ժամանակահատվածի համար նախատեսված գումարի չափից: Եթե ընդունված Ծառայության դիմաց վճարելու համար վճարման ժամանակացույցով նախատեսված միջոցները չեն բավարարում, ապա վճարումը, սույն կետի պայմաններով, իրականացվում է այն ամսում, որում դրամական միջոցները նախատեսված են:

**5. ԿՈՂՄԵՐԻ ՊԱՏԱՍԽԱՆԱՏՎՈՒԹՅՈՒՆԸ**

5.1 Կատարողը պատասխանատվություն է կրում Ծառայության մատուցման` սույն պայմանագրի պահանջների պահպանման համար:

5.2 Սույնպայմանագրի N 1 հավելվածում նշվածՏեխնիկականբնութագրինչհամապատասխանող Ծառայություն մատուցելու յուրաքանչյուր դեպքում Կատարողից գանձվում է տուգանք` սույն պայմանագրի 4.1 կետում նախատեսված գումարի 0,5 (զրո ամբողջ հինգ տասնորդական) տոկոսի չափով:

5.3 Սույն պայմանագրով նախատեսված Ծառայության մատուցման ժամկետը խախտելու դեպքում Կատարողից յուրաքանչյուր ուշացված օրվա համար գանձվում է տույժ` պայմանագրի գնի 0,05 %-ի (զրո ամբողջ հինգ հարյուրերրորդական) տոկոսի չափով, իսկ տույժերի հաշվարկումն իրականացվում է օրացույցային օրերով` պայմանագրի չկատարված մասի գնի նկատմամբ:

5.4 Սույն պայմանագրի 5.2 և 5.3 կետերով նախատեսված տուգանքը և տույժը հաշվարկվում և հաշվանցվում են Ծառայություն մատուցելու արդյունքում Կատարողին վճարման ենթակա գումարներից:

5.5 Պատվիրատուի կողմից սույն պայմանագրի 4.2 կետով նախատեսված ժամկետի խախտման դեպքում Պատվիրատուի նկատմամբ յուրաքանչյուր ուշացված օրվա համար հաշվարկվում է տույժ` վճարման ենթակա, սակայն չվճարված գումարի 0,05%-ի չափով:

5.6 Սույն պայմանագրով չնախատեսված դեպքերում կողմերն իրենց պարտավորությունները չկատարելու կամ ոչ պատշաճ կատարելու համար պատասխանատվության են ենթարկվում ՀՀ օրենսդրությամբ սահմանված կարգով:

5.7 Տույժերի և (կամ) տուգանքի վճարումը Կողմերին չի ազատում իրենց պայմանագրային պարտավորությունները լրիվ կատարելուց:

**6. ԱՆՀԱՂԹԱՀԱՐԵԼԻ ՈՒԺԻ ԱԶԴԵՑՈՒԹՅՈՒՆ(ՖՈՐՍ-ՄԱԺՈՐ)**

ՍույնպայմանագրովևսույնպայմանագրիհիմանվրակնքվածՀամաձայնագրերովպարտավորություններնամբողջությամբկամմասնակիորենչկատարելուհամարկողմերնազատվումենպատասխանատվությունից, եթեդաեղելէանհաղթահարելիուժիազդեցությանհետևանքով, որըծագելէսույնպայմանագիրըկնքելուցհետո, ևորըկողմերըչէինկարողկանխատեսելկամկանխարգելել։Այդպիսիիրավիճակներեներկրաշարժը, ջրհեղեղը, հրդեհը, պատերազմը, ռազմականևարտակարգդրությունհայտարարելը, քաղաքականհուզումները, գործադուլները, հաղորդակցությանմիջոցներիաշխատանքիդադարեցումը, պետականմարմիններիակտերըևայլն, որոնքանհնարինենդարձնումսույնպայմանագրովպարտավորություններիկատարումը։Եթեարտակարգուժիազդեցությունըշարունակվումէ 3 (երեք) ամսիցավելի, ապակողմերիցյուրաքանչյուրնիրավունքունիլուծելպայմանագիրը՝այդմասիննախապեստեղյակպահելովմյուսկողմին։

**7. ԱՅԼ ՊԱՅՄԱՆՆԵՐ**

7.1 Սույնպայմանագիրնուժիմեջէմտնումկողմերիստորագրմանպահիցև գործում է մինչև կողմերի ստանձնած պարտավորությունների ողջ ծավալով կատարումը:

7.2 Այն դեպքում, երբ <Գնումներիմասին>ՀՀօրենքով նախատեսված կարգով գնումների մասին Հայաստանի Հանրապետության օրենսդրության պահանջների կատարման նկատմամբ հսկողության և (կամ) վերահսկողության կամ բողոքների քննության արդյունքում արձանագրվում է, որ գնման գործընթացում, մինչև պայմանագրի կնքումը, Կատարողը ներկայացրել է կեղծ փաստաթղթեր (տեղեկություններ և տվյալներ), կամ Կատարողին հաղթող ճանաչելու (ընտրելու) մասին որոշումը չի համապատասխանում Հայաստանի Հանրապետության օրենսդրությանը, ապա այդ հիմքերն ի հայտ գալուց հետո Պատվիրատուն իրավունք ունի միակողմանիորեն լուծելու պայմանագիրը, եթե արձանագրված խախտումները մինչև պայմանագրի կնքումը հայտնի լինելու դեպքում գնումների մասին Հայաստանի Հանրապետության օրենսդրության համաձայն հիմք կհանդիսանային պայմանագիրը չկնքելու համար: Ընդ որում, Պատվիրատուն չի կրում պայմանագրի միակողմանի լուծման հետևանքով Կատարողի համար առաջացող վնասների կամ բաց թողնված օգուտի ռիսկը, իսկ Կատարողը պարտավոր է Հայաստանի Հանրապետության օրենսդրությամբ սահմանված կարգով փոխհատուցել իր մեղքով Պատվիրատուի կրած վնասներն այն ծավալով, որը չի ծածկվում մինչև լուծումը գնման պայմանագրի կատարմամբ Պատվիրատուի ստացածով։

7.3ՍույնպայմանագրումփոփոխություններևլրացումներկարողենկատարվելմիայնԿողմերիփոխադարձհամաձայնությամբ՝նորպայմանագիրկնքելումիջոցով, որըկհանդիսանասույնպայմանագրիանբաժանելիմասը:

Սույնպայմանագիրըչիկարող փոփոխվել կողմերի պարտա­վորու­թյունների մասնակի չկատարման հետևանքով կամ ամբողջությամբլուծվելկողմերիփոխադարձհամաձայնությամբ` բացառությամբ.

1)ՀայաստանիՀանրապետությանօրենսդրությամբսահմանվածկարգովտվյալգնումըկատարելուհամարանհրաժեշտֆինանսականհատկացումներինվազեցմանդեպքերի: Ընդ որում, պայմանագրի կողմերի պարտավորությունների մասնակի չկատարման կամ ամբողջությամբ լուծման կողմերի փոխադարձ համաձայնությունն անհրաժեշտ է ձեռք բերել նախքան Հայաստանի Հանրապետության օրենսդրությամբ սահմանված կարգով տվյալ գնումը կատարելու համար անհրաժեշտ ֆինանսական հատկացումների նվազեցումը.

2) սույնպայմանագրով նախատեսված Ծառայության շուկայական գների ավելի քան քսան տոկոսով փոփոխման դեպքերի: Շուկայական գները կորոշվեն և դրանց փոփոխությունը կգնահատվի նախապես համաձայնեցվելով Հայաստանի Հանրապետության ֆինանս­ների նախարարության հետ, որի վերաբերյալ կկնքվի լրացուցիչ համաձայնագիր։

Սույն պայմանագրումչեն կարող կատարվել այնպիսի փոփոխություններ, որոնք հանգեցնում են գնվող Ծառայության ծավալների, ձեռք բերվող գնման առարկաների միավորի գնի կամ պայմանագրի գնի արհեստական փոփոխման:

Ծառայության մատուցմանժամկետըկարողէերկարաձգվելմինչևայդժամկետըլրանալըպայմանագրիկողմիառաջարկությանառկայությանդեպքում` պայմանով, որ` Պատվիրատուիմոտչիվերացելգնմանառարկայիօգտագործմանպահանջը.

7.4Սույն Պայմանագրի պատշաճ կատարման պայմաններում կողմերի (Կատարող և (կամ) Պատվիրատու) օգուտները (խնայողություններ) և (կամ) կրած վնասները տվյալ կողմի օգուտը կամ կրած վնասն են:

Սույն պայմանագրի կողմերի` երրորդ անձանց նկատմամբ պարտավորությունները՝ ներառյալ պայմանագրի կատարման շրջանակում Կատարողի կնքած այլ գործարքները և դրանցից բխող պարտավորությունները, դուրս են պայմանագրի կարգավորման դաշտից և չեն կարող ազդել պայմանագրի կատարման արդյունքն ընդունելու վրա: Այդ գործարքների և դրանցից բխող պարտավորությունների կատարման հետ կապված հարաբերությունները կարգավորվում են այդ գործարքների հետ կապված հարաբերությունները կարգավորող նորմերով, և դրանց համար պատասխանատու է պատվիրատուի հետ պայմանագիր կնքած անձը:

7.5Սույնպայմանագրիկապակցությամբծագածվեճերըլուծվումենբանակցություններիմիջոցով։Համաձայնությունձեռքչբերելուդեպքումվեճերըլուծվումեն ՀՀ դատարաններում:

7.6 Սույնպայմանագիրըկազմվածէ...... էջից, կնքվումէերկուօրինակից, որոնքունենհավասարազորիրավաբանականուժ: Սույնպայմանագրի N1, N2 և N3 հավելվածները՝բաղկացածէջից հանդիսանում են պայմանագրի անբաժանելի մասը, յուրաքանչյուր կողմին տրվում է մեկ օրինակ:

7.7 Սույնպայմանագրիցծագածկողմիվճարայինպարտավորությունըչիկարողդադարելայլպայմանագրիցծագած՝հակընդդեմպարտավորությանհաշվանցով, առանցկողմերիգրավորևկնիքովհաստատվածհամաձայնության: Սույնպայմանագրիցծագածպահանջիիրավունքըչիկարողփոխանցվելայլանձի, առանցպարտապանկողմիգրավորհամաձայնության:

7.8 ՍույնՊայմանագրինկատմամբկիրառվումէՀայաստանիՀանրապետությանօրենսդրությունը

**8.Կողմերիհասցեները, բանկայինվավերապայմաններըևստորագրությունները**

|  |  |
| --- | --- |
|  |  |

*Հավելված*

*«------»---------------------- 2015թ. կնքված*

*N ……………..գնման պայմանագրի*

ՎՃԱՐՄԱՆԺԱՄԱՆԱԿԱՑՈՒՅՑ\*

ՀՀդրամ

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| N | Ծառայության անվանումը | Նախատեսվում է ֆինանսավորել 2015թ.`ըստամիսների` ընդորում | | | | | | | | | | | |
| փետրվար | մարտ | ապրիլ | մայիս | հունիս | հուլիս | օգոստոս | սեպտեմբեր | հոկտեմբեր | նոյեմբեր | դեկտեմբեր | Ընդամենը  Տարի |
| 1. | «Նիսսան».  ավտոմեքենաների  սպասարկում | ... % | 150000  ... % | 210000  ... % | 270000  ... % | 350000  .  .. % | 400000  ... % | 450000  .  .. % | 500000  ... % | 540000  ... % | 570000  ... % | 600000  100 % | 600000  100 % |

\* *Վճարման ենթակա գումարները ներկայացված են աճողական կարգով։*

ԱՐՁԱՆԱԳՐՈՒԹՅՈՒՆ N \_\_\_

**ՀԱՆՁՆՄԱՆ-ԸՆԴՈՒՆՄԱՆ**

«------»---------------------- 20------թ.

Պայմանագրիանվանումը՝«--------------------------------------------------------------------------------»:

Պայմանագրիկնքմանամսաթիվը՝«------»---------------------- 20------թ

Պայմանագրիհամարը՝----------------------------

Պատվիրատուն, իդեմս ---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------ևԿատարողը,իդեմս ------------------------------------------------------------, հիմքընդունելով,որպայմանագրովնախատեսված՝ստորևնշվածծառայությունները(այսուհետև՝ծառայություններ) համապատասխանումենպայմանագրովամրագրվածտեխնիկականբնութագրերինևգնմանժամանակացույցին՝կազմեցինսույնարձանագրությունըհետևյալիմասին.

ՊայմանագրիշրջանակներումԿատարողը«------»---------------------- 20------թ.-ից«------»---------------------- 20------թ. ընկածժամանակահատվածումկատարել էհետևյալ ծառայությունը

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| Գնման առարկայի անվանումը | Գնման առարկայի քանակականցուցանիշները | Կատարմանժամկետը | Վճարմանենթակագումարը  (հազարդրամ) | Վճարմանժամկետը  (ըստժամանակացույցի) |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| **Ընդամենը** | ------------- | ------------- |  | ---------- |

Վերոհիշյալծառայությունների կատարմանվերաբերյալբոլորհաշիվ-ապրանքագրերըհանդիսանումենսույնարձանագրությանբաղկացուցիչմասըևկցվումեն:

Ծառայությունը հանձնեց

(ստորագրություն)

(Ազգանուն, Անուն)

ԿՏ

Ծառայություննընդունեց

(ստորագրություն)

(Ազգանուն, Անուն)

ԿՏ